Drishti IAS

करेंट अफेयर्स राजस्थान

नवम्बर 2024

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान **3**

- बाल विवाह को समाप्त करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश 3
- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में गायब बाघ 4
- राजस्थान में नया टाइगर रिज़र्व 5
- मेवाड़ राजपरिवार के महेंद्र सिंह मेवाड़ का निधन 8
- राजस्थान में कायाकल्प योजना 9
- सतलुज नदी में प्रदूषण 9

दृष्टि The Vision

नोट :

राजस्थान

बाल विवाह को समाप्त करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **बाल विवाह** के पूर्ण उन्मूलन के लिये जारी किये गए **सर्वोच्च न्यायालय** के दिशा-निर्देशों से राजस्थान में **नागरिक समाज समूहों** को महत्त्वपूर्ण बढ़ावा मिला है।

मुख्य बिंदु

- **राजस्थान में बाल विवाह का प्रचलन:**
  - **राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5** के अनुसार, राजस्थान में 20-24 वर्ष की आयु की 25.4% महिलाओं की शादी 18 वर्ष की कानूनी आयु तक पहुँचने से पहले हो गई थी।
- **2030 तक बाल विवाह उन्मूलन के लिये सामूहिक प्रयास:**
  - सर्वोच्च न्यायालय के नए दिशा-निर्देशों से उत्साहित होकर, एक **गैर-सरकारी संगठन**, जस्ट **राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस (JRCA) ने** ज़मीनी स्तर पर प्रयास तीव्र करने का संकल्प लिया है।
  - उनका लक्ष्य गाँवों में जागरूकता बढ़ाने सहित सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से **वर्ष 2030 तक राजस्थान में बाल विवाह को समाप्त करना है।**
- **सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश:**
  - न्यायालय ने **राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह गाँव के नेताओं को सूचित और संवेदनशील बनाए तथा** इस बात पर ज़ोर दे कि यदि वे अपने समुदायों में बाल विवाह रोकने में विफल रहते हैं तो उनकी जवाबदेही होगी।
  - सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश बाल विवाह रोकने के लिये **ग्राम पंचायतों**, **स्कूल प्राधिकारियों** और **बाल संरक्षण अधिकारियों पर जवाबदेही डालते हैं।**
  - न्यायालय ने **बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 को** प्रभावी ढंग से लागू करने के लिये **"रोकथाम, संरक्षण और अभियोजन" मॉडल अपनाने की सलाह दी।**
  - वर्ष 2024 में, राजस्थान उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि **राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के तहत ग्राम सरपंच** बाल विवाह रोकने के लिये ज़िम्मेदार होंगे।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006

- यह कानून कुछ कार्यों को दंडनीय बनाकर तथा बाल विवाह की रोकथाम और निषेध के लिये ज़िम्मेदार कुछ प्राधिकारियों की नियुक्ति करके बाल विवाह को रोकने का प्रयास करता है।
- **अधिनियम के अंतर्गत परिभाषाएँ:**
  - **"बालक"** का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो, यदि **पुरुष है, तो इक्कीस वर्ष** की आयु पूरी नहीं की है, और यदि **महिला है, तो अठारह वर्ष की आयु पूरी नहीं की है।**
  - **"बाल विवाह"** से तात्पर्य ऐसे विवाह से है जिसमें अनुबंध करने वाले पक्षों में से कोई एक बच्चा हो।

नोट :

- **"नाबालिग" का** अर्थ है वह व्यक्ति जो वयस्कता अधिनियम, 1875 के प्रावधानों के तहत **वयस्कता प्राप्त नहीं किया है। वयस्कता अधिनियम, 1875 के अनुसार, भारत में निवास करने वाला प्रत्येक व्यक्ति अठारह वर्ष की आयु पूरी करने** पर वयस्कता प्राप्त करता है।
- बाल विवाह एक ऐसा अपराध है जिसके लिये **कठोर कारावास की सज़ा दी जा सकती है,** जो 2 वर्ष तक हो सकती है या 1 लाख रुपए तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। अधिनियम के तहत अपराध **संज्ञेय और गैर-ज़मानती हैं।**

- **इस कानून के तहत जिन व्यक्तियों को दंडित किया जा सकता है उनमें शामिल हैं:**
  - जो कोई भी बाल विवाह संपन्न कराता है, उसका संचालन करता है, निर्देश देता है या उसे बढ़ावा देता है।
  - 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई वयस्क पुरुष किसी बालिका से विवाह करता है (धारा 9)।
  - बच्चे की देखभाल करने वाला कोई भी व्यक्ति, जिसमें माता-पिता या अभिभावक, किसी संगठन या एसोसिएशन का सदस्य शामिल है, जो बाल विवाह को बढ़ावा देता है, अनुमति देता है या उसमें भाग लेता है।

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में गायब बाघ

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के मुख्य वन्यजीव वार्डन के अनुसार, **रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान (RNP)** में **बाघ** 2023 से गायब हो गए हैं।

मुख्य बिंदु

- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में 900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में **शावकों सहित 75 बाघ हैं,** जिसके परिणामस्वरूप **क्षेत्रीय संघर्ष** होता है।
  - **भारतीय वन्यजीव संस्थान के अध्ययन (2006-2014)** के अनुसार, उद्यान लगभग 40 वयस्क बाघों को स्थायी रूप से आश्रय दे सकता है।
- यह हालिया घटना **एक वर्ष में** इतनी बड़ी संख्या में **बाघों के गायब होने की आधिकारिक सूचना** देने का **पहला मामला** है।
  - **बफर ज़ोन** से गाँवों को स्थानांतरित करके उद्यान पर दबाव कम करने के **प्रयास सुस्त रहे हैं,** सबसे हालिया स्थानांतरण वर्ष 2016 में हुआ।
- **रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान:**
  - **अवस्थिति:**
    - यह राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में **करौली और सवाई माधोपुर ज़िलों** में **अरावली एवं विंध्य पर्वत शृंखलाओं** के संगम पर स्थित है।
    - इसे **वर्ष 1973 में बाघ अभयारण्य घोषित किया गया।**
  - **शामिल उद्यान और अभयारण्य:**
    - इसमें **सवाई मानसिंह और केलादेवी अभयारण्य** शामिल हैं।
- **वनस्पति:**
  - वन प्रकार मुख्य रूप से **उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती है**, जिसमें **'ढाक' (ब्यूटिया मोनसोपर्मा)**, वृक्ष की एक प्रजाति है जो लंबे समय तक सूखे को झेलने में सक्षम है, सबसे आम है।
- **वन्य जीवन:**
  - यह उद्यान वन्य जीवन से समृद्ध है, तथा **स्तनधारियों में बाघ खाद्य शृंखला के शीर्ष पर हैं।**
  - यहाँ पाए जाने वाले अन्य जानवर हैं **तेंदुए**, धारीदार लकड़बग्घा, कॉमन या हनुमान लंगूर, **रीसस मकाक**, सियार, जंगली बिल्लियाँ, **कैराकल, काला हिरण,** ब्लैकनेप्ड खरगोश और चिंकारा आदि।

नोट :

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

राजस्थान में नया टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों ?

एक **विशेषज्ञ समिति ने कुंभलगढ़-टॉडगढ़ रावली अभयारण्य को बाघ अभयारण्य** घोषित करने से पहले **तत्काल आवास संरक्षण और शिकार आधार विकास की सलाह दी।**

- केंद्र सरकार और **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण** ने **अगस्त 2023 में सैद्धांतिक मंज़ूरी** दे दी है। समिति जैवविविधता की सुरक्षा के लिये कोर और बफर क्षेत्रों को परिभाषित करना जारी रखेगी।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

दृष्टि The Vision | d Drishti IAS

प्रमुख बिंदु

- **समिति की सिफारिश:**
  - **आवास सीमाएँ:**
    - **वर्तमान क्षेत्र में बाघों की स्थायी आबादी को सहारा देने की क्षमता का अभाव** है। रिपोर्ट में प्रस्तावित रिज़र्व में और अधिक क्षेत्र जोड़ने का सुझाव दिया गया है।

नोट :

- **गाँवों का स्थानांतरण:**
  - **प्रस्तावित रिज़र्व क्षेत्र के भीतर विरल आबादी वाले गाँवों** के लिये एक रणनीतिक, स्वैच्छिक **पुनर्वास योजना की सिफारिश** की जाती है, ताकि स्थायी पुनर्वास के माध्यम से अप्रभावित आवासों को सुरक्षित किया जा सके एवं ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सके।
- **आक्रामक प्रजातियों पर नियंत्रण:**
  - जंगली शाकाहारी जानवरों के लिये उपयुक्त आवासों को बहाल करने और जैवविविधता को बढ़ावा देने के लिये आक्रामक खरपतवारों को हटाना एवं देशी, स्वादिष्ट घासों को लगाना आवश्यक है।
- **शिकार आधार विकास:**
  - **शिकार की उपलब्धता बढ़ाने** के लिये 1,000-2,000 **चित्तीदार हिरणों (चीतल)** को स्थानांतरित करने की सिफारिश की जाती है, जिससे शिकारियों की आबादी को लाभ होगा।
- **अवैध शिकार निरोधक एवं बुनियादी ढाँचा:**
  - **अवैध शिकार** विरोधी उपायों, वायरलेस संचार और गश्ती सड़कों को मज़बूत करना आवश्यक है।
- **भौगोलिक क्षेत्र:**
  - कुंभलगढ़ टाइगर रिज़र्व राजस्थान के **राजसमंद, उदयपुर, पाली, अजमेर और सिरोही ज़िलों में लगभग 1,397 वर्ग किलोमीटर** में फैला होगा।

चित्तीदार हिरण (चीतल)

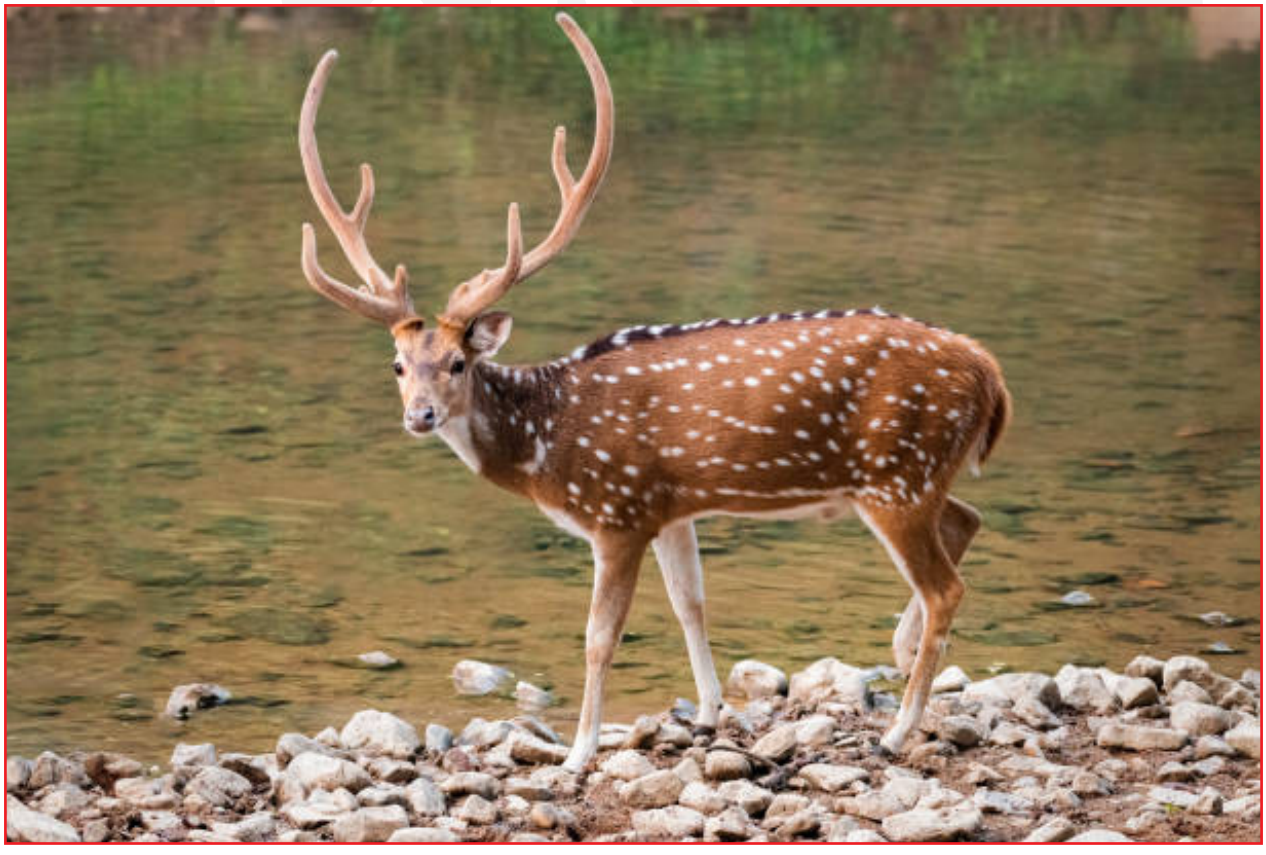

नोट :

- चीतल, जिसे **चित्तीदार हिरण या एक्सिस डियर** के नाम से भी जाना जाता है, एक सुंदर और आकर्षक शाकाहारी प्राणी है जो **भारत और श्रीलंका** के घास के मैदानों और जंगलों का मूल निवासी है।
- वे खुले घास के मैदान, सवाना और हल्के वन क्षेत्रों को पसंद करते हैं।
  - **IUCN रेड लिस्ट : लीस्ट कंसर्न (LC)**
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 : अनुसूची II**

मेवाड़ राजपरिवार के महेंद्र सिंह मेवाड़ का निधन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **पूर्व सांसद और मेवाड़ राजपरिवार के सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ का उदयपुर** में निधन हो गया। वे **महाराणा प्रताप के वंशज** थे।

मुख्य बिंदु

- **महाराणा प्रताप:**
  - राणा प्रताप सिंह, जिन्हें **महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता** है, का जन्म 9 मई, 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था।
  - वह मेवाड़ के 13वें राजा थे और **उदय सिंह द्वितीय के सबसे बड़े पुत्र** थे।
  - महाराणा उदय सिंह **द्वितीय ने चित्तौड़ को अपनी राजधानी बनाकर मेवाड़** राज्य पर शासन किया।
    - उदय सिंह द्वितीय उदयपुर (राजस्थान) शहर के संस्थापक भी थे।
- **हल्दीघाटी का युद्ध:**
  - **हल्दीघाटी का युद्ध** 1576 में मेवाड़ के राणा प्रताप सिंह और आमेर के राजा मान सिंह, जो मुगल सम्राट अकबर के सेनापति थे, के बीच लड़ा गया था।
  - महाराणा **प्रताप ने बहादुरी से युद्ध लड़ा लेकिन मुगल** सेना से हार गये।
  - माना जाता है कि महाराणा प्रताप के निष्ठावान घोड़े चेतक ने युद्ध के मैदान से लौटते समय अपने प्राण त्याग दिये थे।
- **पुनर्विजय:**
  - 1579 के बाद मेवाड़ पर मुगल दबाव कम हो गया और प्रताप ने कुंभलगढ़, उदयपुर और **गोगुंदा सहित पश्चिमी मेवाड़ को पुन: प्राप्त** कर लिया।
  - इस समय के दौरान, उन्होंने आधुनिक डूंगरपुर के निकट एक नई राजधानी चावंड की स्थापना भी की।
- **मृत्यु:**
  - 19 जनवरी, 1597 को उनकी मृत्यु हो गई। उनके पुत्र अमर सिंह ने उनका स्थान लिया, जिन्होंने 1614 में अकबर के पुत्र सम्राट जहाँगीर के अधीन हो गए।

प्रताप गौरव केंद्र

- यह राजस्थान के उदयपुर शहर में टाइगर हिल पर स्थित एक पर्यटन स्थल है।
- इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक की **सहायता से महाराणा प्रताप** और क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराना है।

नोट :

राजस्थान में कायाकल्प योजना

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय ने कायाकल्प योजना के अंतर्गत 20 सरकारी कॉलेजों को उनके भवनों और प्रवेश द्वारों के अग्रभाग को नारंगी रंग में रंगने का आदेश दिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य **शैक्षणिक संस्थानों में "सकारात्मक वातावरण"** का निर्माण करना है।

मुख्य बिंदु

- **कायाकल्प योजना:**
  - **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** द्वारा शुरू की गई कायाकल्प योजना का उद्देश्य भारत में **सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में सफाई, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण को बढ़ाना है।**
- **सरकारी कॉलेजों के लिये नए निर्देश:**
  - **प्रथम चरण:** प्रथम चरण में **प्रत्येक संभाग स्तर से दो कॉलेजो को** शामिल किया गया है, इस प्रकार कुल 20 कॉलेज होंगे।
  - **कायाकल्प का उद्देश्य:** आदेश में **छात्रों के लिये "सकारात्मक, स्वच्छ, स्वस्थ और शैक्षिक वातावरण" बनाने पर ज़ोर दिया गया है,** जहाँ वे कॉलेज परिसर में प्रवेश करने पर प्रोत्साहित महसूस करें।

सतलुज नदी में प्रदूषण

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के श्रीगंगानगर ज़िले के निवासी **सतलुज नदी** में कथित **प्रदूषण** के विरुद्ध तीव्र आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं, जिसका श्रेय वे **पड़ोसी राज्य पंजाब की फैक्ट्रियों को देते हैं।**

मुख्य बिंदु

- श्रीगंगानगर ज़िले में बाज़ार बंद रहे, क्योंकि निवासियों ने सतलुज नदी में **कथित प्रदूषण के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया।**
- पंजाब सरकार द्वारा **STP (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) सुविधाओं** के साथ जल को उपचारित करने के प्रयासों के बावजूद, जल की गुणवत्ता हानिकारक बनी हुई है, जिससे कथित तौर पर **स्थानीय समुदायों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।**

राष्ट्रीय हरित अधिकरण की कार्रवाइयाँ:

- 2018 में, **राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने** सतलुज और **ब्यास नदियों में "अनियंत्रित औद्योगिक निर्वहन"** के लिये **पंजाब सरकार पर 50 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था ।**
- **2021 में,** NGT ने पंजाब को एक बार फिर चेतावनी दी और पंजाब तथा राजस्थान दोनों को **केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय** को **त्रैमासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया,** जिसमें नदियों में औद्योगिक अपशिष्ट के निर्वहन को रोकने के लिये उठाए गए कदमों का विवरण शामिल होना चाहिये।

सतलुज नदी

- सतलुज नदी का प्राचीन नाम **ज़रद्रोस (प्राचीन यूनानी) शुतुद्रि या शतद्रु (संस्कृत) है।**
- यह **सिंधु नदी** की पाँच सहायक नदियों में से सबसे लंबी है, जो पंजाब (जिसका अर्थ है "पांच नदियाँ") को अपना नाम देती हैं।
  - झेलम, चिनाब, रावी, व्यास और सतलुज सिंधु की मुख्य सहायक नदियाँ हैं।

नोट :

- **यह दक्षिण-पश्चिमी तिब्बत में लांगा झील (Lake La'nga)** में हिमालय की उत्तरी ढलान पर स्थित है।
  - हिमालय की घाटियों से होकर उत्तर-पश्चिम की ओर तथा उसके बाद पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बहती हुई यह नदी हिमाचल प्रदेश में प्रवेश करती है तथा उसे पार करती हुई नंगल के निकट पंजाब के मैदान से होकर बहती है।
  - दक्षिण-पश्चिम की ओर एक विस्तृत चैनल में आगे बढ़ते हुए, यह ब्यास नदी से मिलती है (और पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत-पाकिस्तान सीमा के 65 मील (105 किमी.) का निर्माण करती है तथा बहावलपुर के पश्चिम में चेनाब नदी में मिलने के लिये 220 मील (350 किमी.) बहती है।
    - **सतलुज नदी पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले फिरोज़पुर ज़िले के हरिके** में ब्यास नदी से मिलती है।
  - संयुक्त नदियाँ पंजनद का निर्माण करती हैं, जो पाँच नदियों और सिंधु के बीच का संबंध स्थापित करती हैं।
- **लुहरी चरण-I जल विद्युत परियोजना** हिमाचल प्रदेश के शिमला और कुल्लू ज़िलों में सतलुज नदी पर स्थित है।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :